बिहार के राजनीतिक दलों के आय (Income) का विश्लेषण

वित्तीय पारदर्शिता का महत्व

राजनीतिक दल जनता और सरकार के बीच की एक अहम कड़ी है। इसलिए यह ज़रूरी है कि वह जनता के प्रति उत्तरदायी हों। राजनीतिक दल लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भ हैं और वह आम जनता के हित के लिए कार्य करने के प्रयास करते हैं। भारत के चुनाव आयोग के अभिलेखों के अनुसार भारत में 6 राष्ट्रीय तथा 46 मान्यता प्राप्त राज्य स्तर के राजनीतिक दल हैं। इस के अलावा भारत में 1139 गैर मान्यता प्राप्त दल है।

राजनीतिक दल विभिन्न स्त्रोतों से चन्दे के रूप में धन प्राप्त करते हैं। इस प्रकार इसकी जवाबदेही और पारदर्शिता और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह आवश्यक हो जाता है कि एक व्यापक एवं पारदर्शी लेखांकन विधि बनाई जाए जिससे राजनीतिक दलों की सही वित्तीय स्थिति प्रकट हो जाए।

केन्द्रीय सूचना आयोग की आदेश संख्या CIC/AT/A/2007/01029 & 1263-1270, के अनुसार लोक प्राधिकरण (Public Authorities) (जैसे आयकर विभाग) जिनके पास राजनीति दलों के आयकर रिटर्न होते हैं, को यह निर्देश दिया गया है कि वह इस सूचना को अपीलार्थी (एडीआर) को दें। Association For Democratic Reforms (ADR) ने विभिन्न राजनीतिक दलों के आयकर रिटर्न और मूल्यांकन आदेशों की प्रतियां सूचना के अधिकार के माध्यम से प्राप्त की।

बिहार के मुख्य दलों की कुल आय (वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 तक)

- कांग्रेस, जोकि एक मुख्य राजनीतिक दल है, ने राष्ट्रीय दलो में से सर्वाधिक आय घोषित की है। उनकी गत 7 वित्तीय वर्षों की कुल आय रू0 2,00,871 लाख है।
- भाजपा ने द्वितीय उच्चतम आय दर्शाई है उनकी गत 7 वर्षों की कुल आय रू0 99,476 लाख है।
- कांग्रेस ने वित्तीय वर्ष 2007–08 से 2008–09 के बीच अपनी आय में 125 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दिखाई है। किन्तु 2009–10 और 2010–11 के बीच 34.32 प्रतिशत की कमी दर्शाई है। जबकि भाजपा ने 2008–09 और 2009–10 के बीच 77.75 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी और 2009–10 और 2010–11 के बीच 34.88 प्रतिशत की कमी दर्शाई है।
- सभी क्षेत्रीय दलों की तुलना में जे0डी0यू0 (जो कि सत्तारूढ़ दल है) ने अधिकतम आय रू0 2,667.79 लाख दिखाई है। आर0जे0डी0 ने अपनी आय रू0 2117.89 लाख दिखाई है।

Party	Total Income (Rs. In Lakhs)							Total (Rs. In Lakhs)
	FY-2004-2005	FY-2005-2006	FY-2006-2007	FY- 2007-2008	FY- 2008-2009	FY- 2009-2010	FY- 2010-2011	
JD (U)	50.93	133.84	54.51	21.84	931.47	1133.04	342.16	2,667.79
BJP	10,412	3,834	8,249	12,378	22,002	25,800.75	16,800.92	99,476.67
INC	22,207	12,493	16,936	22,081	49,688	46,757.87	30,708.87	2,00,871.74
RJD	367.60	255.41	119.08	215.20	405.01	444.69	310.90	2,117.89

तालिका–बिहार के मुख्य दलों की कुल आय (वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 तक)

वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में बिहार के प्रमुख दलों में आय के शीर्ष 3 स्त्रोत

- कांग्रेस के लिए, अधिकतम आय रू0 155377.18 लाख कूपनों की बिक्री से ली गई है।
- दोनो मुख्य पार्टियों के आय के 3 मुख्य स्त्रोतो मे से दान/योगदान (donation/contibution) एक है। भाजपा के लिए यह आय 82000.50 लाख और कांग्रेस के लिए 27250.48 लाख है।
- दो क्षेत्रीय दलों को भी आय के रूप में दान/योगदान (donation/contibution) प्राप्त हुआ है। जेडीयू के लिए यह आय 2,600.59 लाख और आरजेडी के लिए 1,298.72 लाख है।
- ब्याज़ का संग्रह (Interest Collection) भी इन पार्टियों के आय के मुख्य स्त्रोतों में से एक है। इस ज़रिये से कांग्रेस ने 10,473.33 लाख, भाजपा ने 7,527.83 लाख और जे0डी0यू0 ने 39.66 लाख रूप्या कमाया है।

FY 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 (combined)		
Party	**Top 3 Source of Income**	**Amount (Rs in Lakhs)**
Janata Dal United	Recepit from contribution Coupon sales & Membership fees	2,600.59
	Interest from Bank	39.66
	Sale of Publications	26.91
Bharatiya Janata Party	Voluntary contributions	82,000.50
	Interest	7,527.83
	Aajwan Sahayog Nidhi	6,280.64
Indian National Congress	Sale of coupons	1,55,377.18
	Donations	27,250.48

FY 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 (combined)		
Party	**Top 3 Source of Income**	**Amount (Rs in Lakhs)**
	Interest	10,473.33
Rashtriya Janata Dal	Donations	1,298.72
	Income from Chunav Kosh	293.00
	Anudan Received	168.82

तालिका– वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में बिहार के प्रमुख दलों में आय के शीर्ष 3 स्त्रोत

वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में बिहार के प्रमुख दलों कें व्यय (Expenditure) के शीर्ष 3 खर्च (expenditure) के विषय

- कांग्रेस का अधिकतम खर्च चुनाव व्यय (election expenditure) के लिए हुआ है– 92,506.40 लाख है, इसके बाद रूप्ये 17,116.47 लाख "Aid" के लिए खर्च हुआ है।
- भाजपा ने प्रचार (publicity) के लिए रू0 35,720.64 लाख, यात्रा के लिए रू0 18,889.46 लाख, और मीटिंग के लिए रू0 10,456.60 लाख खर्च किया है। यह उनके व्यय के शीर्ष 3 विषय हैं।
- जेडीयू ने उम्मीदवारों के लिए रू0 678.06 लाख और हैलीकॉप्टर किराया रू0 581.35 लाख और प्रचार के लिए रू0 468.95 लाख खर्च किया है। यह उनके व्यय के शीर्ष 3 विषय है।
- आरजेडी के लिए अधिकतम खर्च प्रचार/website expenses के लिए रू0 548.61 लाख है इसके बाद चुनाव व्यय के लिए रू0. 442.07 लाख और यात्रा के लिए रू0 432.32 लाख है।
- आरजेडी के सत्ता में ना होने के बावजूद इसके शीर्ष 3 खर्चों का विषय सत्तारूढ़ पार्टी, जेडीयू से अधिक है।

FY 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 (combined)		
Party	**Top 3 Items of Expenditure**	**Amount (Rs in Lakhs)**
Janata Dal United	Contribution to candidates/ Donation	678.06
	Helicopter Hiring Charges	581.35
	Advertisement	468.95
Bharatiya Janata Party	Advertising & Publicity	35,720.64
	Travelling	18,889.46
	Meeting	10,456.60
Indian National Congress	Election Expenses	92,506.40
	Aid to Other Expenses	17,116.47
	Travelling & Lodging	10,749.25
Rashtriya Janata Dal	Advertisment / Website Expenses	548.61
	Election Expenses	442.07

FY 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 (combined)		
Party	**Top 3 Items of Expenditure**	**Amount (Rs in Lakhs)**
	Travelling & Conveyance	432.32

तालिका– वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में बिहार के प्रमुख दलों कें व्यय (Expenditure) के शीर्ष 3 स्त्रोत

राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वक्तव्यों का खुलासा करने से संबधित मुद्दे

आयकर अधिनियम (Income Tax Act) का अनुभाग 13 (अ) स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि उद्देश्य यह है कि राजनीतिक दलों के वित्तीय कामकाज की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। एडीआर ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से , राजनीतिक दलों के आयकर रिर्टन संबधी सूचना एकत्र करते हुए पाया कि बहुत सी राज्य स्तर की क्षेत्रीय पार्टीयों ने अपने आयकर रिर्टन नही भरे है।

राजनीतिक दलों को कर के भुगतान से छूट दी गई है, तथापि इस छूट को पाने के लिए उन्हे आडिटेड लेखे रखने तथा आयकर अधिनियम के प्रावधानों का पालन करना आवश्यक है। कुछ क्षेत्रीय पार्टिया इस से नियमित आधार पर चूकती रही हैं। उन्होने खुले तौर पर आयकर अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंधन किया है। वार्षिक रिटर्न न भर कर यह इस कानून के अनिवार्य प्रावधानों का उल्लंधन है। इनमे से कई दल अपने राज्य अथवा क्षेत्र मे मुख्य क्षेत्रीय दल हैं और उनकी वित्तीय स्थिति का कुछ पता नही है।

वित्तीय सूचना के ब्यौरे के लिए सख्त प्रणाली के गठन की आवश्यकता

राजनीतिक दलों मे वित्तीय पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, वित्तीय सूचना की जानकारी देने का एक सख्त तंत्र बनाना आवश्यक है। रिर्पोटिंग ढांचे और उसकी प्रक्रिया का मानकीकरण करना चाहिए जिससे राजनीतिक दलों की सही वित्तीय स्थिति की जानकारी आम जनता को प्राप्त हो सके। आईसीएआई ने चुनाव आयोग के अनुरोध पर कुछ सिफारिशें प्रस्तावित की है। यह प्रस्ताव राजनीतिक दलों के वित्तीय विवरण की रिपोर्टिंग के ढांचे को व्यापक बनाने तथा उसके मानकीकरण से संबधित है। एडीआर के अनुसार इन प्रस्तावों को जल्द से जल्द लागू करने की अतयन्त आवश्यकता है।

CONTACTS:

Mr. Rajiv Kumar Coordinator, Bihar Election Watch M: +91-9631976889 / +91 9334376048 E: rajivkumar_patna@rediffmail.com	Mr. Anil Bairwal (National Coordinator, ADR/NEW) E: anil@adrindia.org/ adr@adrindia.org M: +91 8010394248, +91 9999310100, T: 011 40817601	Prof. Jagdeep Chhokar (Founder Member, ADR/NEW) E: jchhokar@gmail.com M: +919999620944	Prof. Trilochan Sastry (Founder Member, ADR/NEW) E: trilochans@iimb.ernet.in +919448353285